प्रकाशन तिथि : 01 जुलाई, 2025
प्रेषण तिथि : 04 जुलाई, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 08 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

श्रद्धांजलि सभाओं में किया पूज्य भगवान सिंह जी को नमन

(संघशक्ति में सत्संग और यज्ञ का हुआ आयोजन)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक एवं चतुर्थ संघप्रमुख पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की पुण्य स्मृति में 15 जून को डांगड़ी रात्रि के अवसर पर संघशक्ति कार्यालय में सत्संग एवं जागरण का आयोजन हुआ जिसमें देशभर से स्वयंसेवक पहुंचे और भजन व सहगायन गाते हुए पूज्य श्री को श्रद्धांजलि दी। 16 जून को प्रातः 9 बजे यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें स्वयंसेवकों के साथ जयपुर में रहने वाले समाजबंधु भी उपस्थित रहे। पूज्य श्री भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि देने हेतु संघशक्ति में राजनेताओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित सर्वसमाज के गणमान्य व्यक्तियों के आने का क्रम लगातार जारी रहा। 14 जून को भारत के कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल संघशक्ति कार्यालय पहुंचे और भजन गाकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। 16 जून को केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत संघशक्ति पहुंचे, यज्ञ में शामिल हुए और उपस्थित स्वयंसेवकों के साथ सहगीत गाते हुए भावांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी श्रद्धांजलि देने संघशक्ति पहुंचे और माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास से मिलकर संवेदना प्रकट की। इसके अतिरिक्त भूपेन्द्र यादव (केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार), मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार), हीरालाल नागर (ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार), डॉ. मंजू बाघमार (मंत्री, राजस्थान सरकार), कृष्ण कुमार विश्नोई (राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार), डॉ. अल्का गुर्जर (राष्ट्रीय सचिव, भाजपा), मानवेंद्र सिंह जसोल (पूर्व सांसद, बाड़मेर-जैसलमेर), कैलाश चौधरी (पूर्व कृषि राज्यमंत्री, भारत सरकार), अमित गोयल (जयपुर जिला अध्यक्ष, भाजपा), हुसैन खान (राष्ट्रीय परिषद सदस्य, अल्पसंख्यक मोर्चा), डॉ. विश्वनाथ मेघवाल (विधायक, खाजूवाला), नारायण सिंह माणकलाव (पूर्व राज्यसभा सांसद), रेवंत राम डांगा (विधायक, खींवसर नागौर), रत्ना कुमारी (जिला उपाध्यक्ष जयपुर देहात, भाजपा), अशोक सैनी (प्रदेश मंत्री, भाजपा राजस्थान), राम सिंह चंदलाई (अध्यक्ष, श्री राजपूत सभा भवन, जयपुर), समता राम महाराज (पुष्कर), करण सिंह उचियारड़ा (सांसद प्रत्याशी कांग्रेस, जोधपुर), प्रो. बीरू सिंह राठौड़ (पूर्व विधायक, बनीपार्क), पुष्पेन्द्र सिंह राणावत (विधायक, बाली), श्रीचन्द कृपलानी (विधायक, निम्बाहेड़ा), मुकेश वर्मा कुमावत (महासचिव, राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस समिति), गोवर्धन सिंह जादौन (जिला अध्यक्ष, भाजपा, करौली), राजपाल सिंह शेखावत (पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार), छोटू सिंह भाटी (विधायक, जैसलमेर), डॉ. जगदीश चंद्र (चेयरमैन, फर्स्ट इंडिया न्यूज), मीना कंवर (पूर्व विधायक, शेरगढ़), आदूराम मेघवाल (विधायक, चौहटन), श्रवण सिंह बगड़ी (प्रदेश महामंत्री, भाजपा राजस्थान), ठाकुर पुरण सिंह (उत्तरप्रदेश) सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति भी संघशक्ति पहुंचे और पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को श्रद्धांजलि अर्पित की। संघशक्ति के अतिरिक्त भी देश विदेश में सैकड़ों स्थानों पर पूज्य भगवान सिंह जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

श्री अर्जुनराम मेघवाल

श्री ओमजी बिड़ला

श्री भूपेन्द्र यादव

श्री मानवेन्द्र जसोल

श्रद्धांजलि सभाओं में किया पूज्य भगवान सिंह जी को नमन

श्री आदूराम मेघवाल

श्रीमती अल्का गुर्जर

श्री हीरालाल नागर

श्री के.के विश्नोई

(पेज एक से लगातार)

12 जून तक आयोजित श्रद्धांजलि सभाओं के समाचार गत अंक में प्रकाशित हुए थे, शेष के समाचार यहां प्रकाशित किए जा रहे हैं।

15 जून को दिल्ली के 12 अकबर रोड़ पर स्थित केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के आवास पर श्रद्धाजलि सभा का आयोजन संघ के दिल्ली शहर प्रांत द्वारा किया गया। सभा में श्रद्धेय साहब के जीवन से जुड़ी विभिन्न स्मृतियों का वर्णन करते हुए शेखावत ने कहा कि भगवान सिंह जी साहब का देहावसान समाज और राष्ट्र की एक अपूरणीय क्षति है। उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन का अभाव मुझे सदैव खलता रहेगा। वरिष्ठ स्वयंसेवक शंकर सिंह महरौली ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी को सच्ची श्रद्धांजलि श्रद्धेय भगवान सिंह जी ने अपनी कर्मनिष्ठा से दी जिसके परिणामस्वरूप हम संघ का इतना विराट स्वरूप देख पा रहे हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव नरेश कुमार सिंह, जम्मू कश्मीर सरकार के पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक शक्ति सिंह परिहार, पूर्व सांसद जसवंत सिंह बिश्नोई, वरिष्ठ स्वयंसेवक नारायण सिंह पांडुरई, डॉ. सुल्तान सिंह खानडी, बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व महाप्रबंधक धर्मवीर सिंह भगतपुरा, नेक्स्ट आईएएस और मेड ईजी के महाप्रबंधक बी सिंह, राजपूताना समाज के अध्यक्ष ओनाड़ सिंह शेखावत, विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के डीन रणधीर सिंह चुई, दिल्ली मेट्रो के पूर्व संयुक्त महाप्रबंधक प्रेम सिंह रुणिजा आदि ने श्रद्धेय रोलसाहबसर को शब्दांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में रिछपाल सिंह भवाद, महेन्द्र प्रताप सिंह गिराब, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ए के सिंह, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के डीजी प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, सत्यवती कॉलेज के प्रिंसिपल सुभाष सिंह, नौनद कंवर, ज्योति राजावत चुई सहित दिल्ली प्रदेश के सैकड़ों समाज बंधु शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रांत प्रमुख महेन्द्र सिंह सेखाला ने किया। जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत में 13 जून को विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं। सांवला गांव में आयोजित कार्यक्रम में फकीर सिंह सांवला, आईवीर सिंह सांवला ने विचार रखे। भैरवा गांव में स्थित शिव शक्ति शिक्षण संस्थान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अभय सिंह भैरवा ने पूज्य भगवान सिंह जी के साथ के संस्मरण सुनाए। जेतमाल सिंह भैरवा ने भी शब्दांजलि दी। धायसर में देवी सिंह ने भगवान सिंह जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। डेलासर में मोहन पूरी जी मठ में महंत महादेव पूरी व स्वरूप सिंह नेड़ान ने ग्रामवासियों के साथ श्रद्धाजलि अर्पित की। सोढाकोर में भी श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें देवी सिंह सोढाकोर, लख सिंह सोढाकोर ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रांत प्रमुख उमेद सिंह बडोड़ा गांव, चंदन सिंह मूलाना, अमर सिंह जेठा सहित अनेकों सहयोगी व समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बीदासर में पूज्य श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई जिसमें बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल उपस्थित रही। बीकानेर के बज्जू में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक नरसिंह चारणवाला में पूज्य भगवान सिंह जी के साथ बिताए समय के संस्मरण साझा किए। बाप में स्थित समिति सभागार में भी श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें वरिष्ठ स्वय सेवक मग सिंह सिड्डा, कुम्भ सिंह लूणा, रतन सिंह धोलिया, मनसुख बाप आदि ने पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। जैसलमेर संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अहमदाबाद में हुई वायुयान दुर्घटना में दिवंगत हुतात्माओ की शांति के लिए प्रार्थना भी की गई। फतेहगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में भवानी सिंह मुंगेरिया ने पूज्य भगवान सिंह जी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सांवलसिंह मोढ़ा, उत्तमसिंह देवड़ा, हिन्दू सिंह, सुरेंद्रसिंह म्याजलार, हुकमसिंह वीरमानी, पृथ्वीराज सिंह हरभा, सुरेंद्र मोढ़ा, स्वरूप सिंह राजपुरोहित, राजू दान, हारुण खान, प्रेम वीरा सहित अनेकों क्षेत्रवासी शामिल हुए। 13 जून को श्री प्रताप शाखा, महाराणा प्रताप तलाई पार्क, करणी पैलेस रोड, जयपुर में आयोजित सभा में राजेंद्र सिंह बोबासर द्वारा पूज्य श्री का परिचय दिया गया। कार्यक्रम में विक्रम सिंह जालुंड, शंकर सिंह, शिवराज सिंह, गजेन्द्र सिंह, डी पी सिंह, दशरथ सिंह, कुलदीप सिंह, हरि सिंह, पदम सिंह, जितेन्द्र सिंह हाडा व अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। झिझनियाली प्रांत में जोगीदास का गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने साहबश्री के जीवन के बारे में विस्तार से बताया। प्रांत प्रमुख देवी सिंह तेजमालता सहित झिझनियाली, गज सिंह का गांव, कुंडा, तेजमालता, मोढ़ा, रणधा व जोगीदास गांव के बंधु मातृशक्ति सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बीकानेर जिले में ग्राम पंचायत परिसर 1 DLM (दामोलाई) में सर्व समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रान्त प्रमुख शक्ति सिंह आशापुरा ने पूज्य श्री का जीवन परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक वीरेंद्र सिंह सिंघाना, शिवकुमार गौड़, सुरजाराम प्रजापत, गोरी शंकर, वीरेंद्र सिंह, दिलीपसिंह, सुरेंद्र सिंह, रेवंत सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपेन्द्र सिंह मंडा ने किया। गुजरात के गांधीनगर जिले के पालज गांव में श्री महाकाली माताजी मंदिर परिसर, दक्षिण पश्चिम वायु कमाण्ड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय वायु सेना में कार्यरत स्वयंसेवकों ने सर्व समाज के नागरिकों के साथ मिलकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री ज्वाला माताजी मन्दिर प्रांगण, श्री भीम राजपूत छात्रावास, सूरज पोल, कोटा मे 13 जून को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन जिसमें भंवर सिंह घाटी (अध्यक्ष, हाड़ौती क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति, कोटा) समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। 13 जून को श्री कोलायत राजपूत धर्मशाला में कार्यक्रम रखा गया जिसमें भागीरथ सिंह सेरूणा द्वारा पूज्य भगवान सिंह जी का जीवन परिचय दिया गया। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पोकरण क्षेत्र के फलसूंड गांव में स्थित सबल सिंह राजपूत सभा भवन में, श्री करणी बालिका शाखा खिवान्दी (पाली) में व श्री करणी शाखा किरतासर (नोखा) में भी कार्यक्रम हुए। सौराष्ट्र कच्छ संभाग में झालावाड़, मोरचंद और शामपुरा में कार्यक्रम रखे गए। 14 जून को श्री पतालेश्वर महादेव मंदिर शाखा सेवाड़ा की ओर से सर्व समाज के साथ श्रद्धाजंलि कार्यक्रम रखा गया। जोधपुर जिले के तिंवरी में राजपूत समाज राम रसोड़ा में सभा आयोजित हुई। निंबो का तालाब स्थित अटल सेवा केंद्र और वीर दुगार्दास राजपूत संस्थान बिलाड़ा में भी कार्यक्रम हुए। चित्तौड़गढ़ में श्री भवानी क्षत्रिय धर्मशाला परिसर, आसावरा माताजी में भी कार्यक्रम हुआ। 14 जून को सुजानगढ़ में भोजलाई रोड़ स्थित भवानी सिंह घोटड़ा के आवास पर कार्यक्रम रखा गया जिसमें पूर्व मंत्री व विधायक खेमाराम मेघवाल, बीदासर प्रधान व सुजानगढ़ से भाजपा प्रत्याशी संतोष मेघवाल, महावीर सिंह (पार्वतीसर सरपंच), रणजीत सिंह स्यानण, सुरेंद्र सिंह स्यानण, नरपत सिंह रताऊ, राजपाल सिंह राजियासर, महेंद्र सिंह बंबू, बजरंग सिंह गेड़ाप सहित अनेकों क्षेत्रवासी शामिल हुए। संचालन विक्रम सिंह ढींगसरी ने किया। 14 जून को काशी हिंदू विश्वविद्यालय की टोली द्वारा भी पूज्य श्री को श्रद्धांजलि दी गई। सौराष्ट्र कच्छ संभाग में राजकोट हरभमजीराज गरासिया बोर्डिंग हाउस में भी कार्यक्रम हुआ। जोबनेर स्थित मांजी राणावत जी की धर्मशाला में भी कार्यक्रम हुआ जिसमें यदुवीर सिंह जोबनेर, राजेंद्र सिंह बीचला पाना, महिपाल सिंह, यतिराज सिंह आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

15 जून को अनूपगढ़ के करणी माता मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख हनुमान सिंह छाजूसर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बीकानेर के आशापुरा में स्थित विद्यालय परिसर में सर्व समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा रखी गई। प्रान्त प्रमुख शक्ति सिंह आशापुरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जयपुर में दिल्ली रोड स्थित राजपूत सभा भवन, पावटा में और सीकर जिले की दांतारामगढ़ तहसील के बरसिंहपुरा गांव में भी कार्यक्रम हुआ। श्री करणी राजपूत छात्रावास नोखा में सर्व समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रान्त प्रमुख भंवर सिंह मोरखाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई ने कहा कि भगवान सिंह जी ने लोगों को जीवन जीने की कला सिखाई।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

श्री मदन दिलावर

श्री टी. राजा (हैदराबाद)

श्री क्षत्रिय युवक संघ संगठनात्मक स्वरूप 2025-2026

संघ प्रमुखः माननीय लक्ष्मणसिंह जी बैण्याकाबास

केन्द्रीय कार्यकारी

शिविर कार्यालय	श्री गजेन्द्रसिंह आऊ
लेखा, संस्थान व संयोमा शिविर शिक्षण व	श्री गंगासिंह साजियाली
विस्तार-मध्यप्रदेश	श्री प्रेमसिंह रणधा
प्रकाशन, आनुषंगिक संगठन	श्री रेवन्तसिंह पाटोदा
विस्तार-सौराष्ट्र, कच्छ व दक्षिण भारत	श्री महेन्द्रसिंह पांची
विस्तार-उत्तर, मध्य व दक्षिण गुजरात	श्री धर्मेन्द्रसिंह आम्बली
विस्तार-हरियाणा व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	श्री तारेन्द्रसिंह झिनझिनयाली

केन्द्रीय विभाग

शाखा शिक्षण व विस्तार (राजस्थान)	श्री महेन्द्रसिंह गुजरावास
शाखा लेखा-	श्री छनुभा पच्छेगांव
मातृशक्ति विभाग	श्री जोरावरसिंह भादला
शाखा विस्तार (गुजरात)	श्री विक्रमसिंह कमाणा
व्यवस्था-संघ कार्यालय	श्री कृष्णसिंह राणीगांव श्री श्यामसिंह चिरनोटिया
संघशक्ति पत्रिका संपादन	श्री राजेन्द्रसिंह बोबासर
वेबसाईट व सोशल मीडिया	श्री अभयसिंह रोड़ला श्री देवीसिंह झलोड़ा
रिकॉर्ड विभाग-ऑडियो, वीडियो, फोटो व लिखित सामग्री	श्री बृजराजसिंह खारड़ा श्री जितेन्द्रसिंह देवली
विज्ञापन विभाग (संघ शक्ति)	श्री जितेन्द्रसिंह देवली

संभाग-जयपुर संभाग प्रमुखः श्री रामसिंह अकदड़ा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
जयपुर (शहर)	श्री सुधीरसिंह ठाकरियावास
जयपुर ग्रामीण (उत्तर-पूर्व)	श्री प्रवीणसिंह विजयपुरा
दूदू (अजमेर रोड)	श्री दीपसिंह सामी
बुन्देल खण्ड	श्री जितेन्द्रसिंह सिसरवादा
टोंक	श्री गोविन्दसिंह पलई
करोली	श्री महादेवसिंह दांतली
जोबनेर	श्री देवेन्द्रसिंह बडवाली

संभाग-पूर्वी राजस्थान संभाग प्रमुखः श्री मदनसिंह बामणिया

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. दौसा	श्री नानूसिंह रूखासर
2. कोटपूतली बहरोड	श्री धूड़सिंह भोणावास
3. बांदीकुई	श्री लोकेन्द्रसिंह मलारणा

संभाग-शेखावटी संभाग प्रमुखः श्री खींवसिंह सुल्ताना

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. चुरू	श्री किशनसिंह गौरीसर
2. सीकर	श्री जुगराजसिंह जुलियासर
3. हिसार	श्री अरविन्दसिंह बालवा

संभाग-बीकानेर संभाग प्रमुखः श्री रेवन्तसिंह जाखासर

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. बीकानेर	श्री जुगलसिंह बेलासर
2. डूंगरगढ़	श्री जेठूसिंह पून्दलसर
3. पूगल	श्री शक्तिसिंह आशापुरा
4. नोखा-कोलायत	श्री राजेन्द्रसिंह आलसर

संभाग-जैसलमेर संभाग प्रमुखः श्री गणपतसिंह अवाय

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. जैसलमेर	श्री महिपालसिंह तेजमालता
2. रामगढ़	श्री पदमसिंह रामगढ़
3. झिनझिनयाली	श्री देवीसिंह तेजमालता (II)
4. चांधन	श्री उम्मेदसिंह बड़ोडागांव
5. म्याजलार	श्री हिन्दूसिंह म्याजलार
6. पोकरण	श्री नरपतसिंह राजगढ़
7. रामदेवरा	श्री अमरसिंह रामदेवरा

संभाग-बाड़मेर संभाग प्रमुखः श्री महिपालसिंह चूली

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. बाड़मेर शहर	श्री छगनसिंह लूणू
2. चौहटन	श्री लालसिंह आकोड़ा
3. सेड़वा	श्री कालूसिंह गंगासरा
4. गुड़ामालानी	श्री गणपतसिंह बूठ
5. शिव	श्री राजेन्द्रसिंह भिंयाड़ (II)
6. गड़रारोड	श्री सज्जनसिंह उगेरी

संभाग-बालोतरा संभाग प्रमुखः श्री मूलसिंह काठाड़ी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. सिवाना	श्री मनोहरसिंह सिणेर
2. बालोतरा	श्री गोविन्दसिंह गूगड़ी
3. बायतु	श्री मूलसिंह चांदेसरा

संभाग-जोधपुर संभाग प्रमुखः श्री चन्द्रवीरसिंह देणोक

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. जोधपुर शहर	श्री भरतपाल सिंह दासपा
2. शेरगढ़	श्री भीखसिंह सेतरावा
3. फलोदी	श्री भवानीसिंह पीलवा
4. ओसियां	श्री पदमसिंह ओसियां
5. लूणी	श्री लक्ष्मणसिंह गुड़ानाल
6. बिलाड़ा-भोपालगढ़	श्री चैनसिंह साथीन

संभाग-जालोर संभाग प्रमुखः श्री अर्जुनसिंह देलदरी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. जालोर	श्री खुमाणसिंह दुदिया
2. भीनमाल	श्री ईश्वरसिंह सांगाणा
3. सांचौर	श्री ईश्वरसिंह चौरा
4. सिरोही	श्री अमरसिंह चांदणा
5. रानीवाड़ा	श्री प्रवीणसिंह सुरावा

संभाग-पाली संभाग प्रमुखः श्री मोहब्बतसिंह धींगाणा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. पाली	श्री हीरसिंह लोड़ता
2. सोजत	श्री बहादुरसिंह सारंगवास
3. मारवाड़ जंक्शन	श्री महिपालसिंह बासनी

संभाग - नागौर संभाग प्रमुखः श्री शिम्भूसिंह आसरवा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. लाडनूं	श्री विक्रमसिंह ढींगसरी
2. कुचामन	श्री नत्थूसिंह छापड़ा
3. मकराना	श्री शिवराजसिंह आसरवा
4. डीडवाना	श्री जयसिंह सागु
5. नागौर	श्री उगमसिंह गोकुल

संभाग-मेवाड़-हाड़ौती संभाग प्रमुखः श्री बृजराजसिंह खारड़ा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. अजमेर	श्री बलवीरसिंह पीपलाज
2. केकड़ी	श्री भगवानसिंह देवगांव
3. भीलवाड़ा	श्री गजेन्द्रसिंह चौकी का खेड़ा
4. चित्तौड़गढ़	श्री दिलीपसिंह रूद
4. हाड़ौती	श्री वीरेन्द्रसिंह तलावदा

संभाग-उदयपुर संभाग प्रमुखः श्री भंवरसिंह बेमला

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. उदयपुर	श्री फतहसिंह भटवाड़ा
2. राजसमंद	श्री मोहब्बतसिंह भैसाणा
3. सलूम्बर	श्री गुमानसिंह वालाई

संभाग-वागड़-मालवा संभाग प्रमुखः श्री टैंक बहादुरसिंह गेहूंवाड़ा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. डूंगरपुर	श्री उपेन्द्रसिंह वालाई
2. बांसवाड़ा	श्री अजयराजसिंह सज्जनसिंह का गड़ा
3. प्रतापगढ़	श्री होकमसिंह बरोठा
4. मालवा	श्री हनुवन्तसिंह सज्जनसिंह का गड़ा

संभाग-मध्य गुजरात संभाग प्रमुखः श्री बटुकसिंह काणेटी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. अहमदाबाद शहर	श्री दिग्विजयसिंह पलवाड़ा
2. अहमदाबाद ग्रामीण	श्री अनिरूद्धसिंह काणेटी
3. चरोतर	श्री अरविन्दसिंह काणेटी
4. महिसागर	श्री सहदेव सिंह मूली
5. गांधीनगर	श्री हरीसिंह समो
6. अरवल्ली	श्री पूर्णचन्द्रसिंह छैलीघोड़ी

संभाग-उत्तर गुजरात संभाग प्रमुखः श्री वनराजसिंह भैसाणा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. मेहसाणा	श्री इन्द्रजीतसिंह जेतलवासणा
2. पाटन	श्री धर्मेन्द्रसिंह मोटी चंदूर
3. थराद	श्री भगवानसिंह वलादर
4. पालनपुर	श्री अजीतसिंह कुणघेर

संभाग-दक्षिण गुजरात संभाग प्रमुखः श्री खेतसिंह चांदेसरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. सूरत शहर	श्री बाबूसिंह रेवाड़ा
2. सूरत ग्रामीण	श्री भवानीसिंह माडपुरिया
3. गोड़ादरा	श्री दिलीपसिंह गड़ा

संभाग-सौराष्ट्र कच्छ संभाग प्रमुखः श्री प्रवीणसिंह धोलेरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. भाल	श्री जयपालसिंह धोलेरा
2. भावनगर	श्री यशपालसिंह थलसर
3. मोरचंद	श्री नवदीपसिंह अवानीया
4. हल्लार	श्री शक्तिसिंह कोटड़ा
5. खोडियार	श्री घनश्यामसिंह बावड़ी
6. झालावाड़	श्री छनूभा पछैगांव

संभाग-महाराष्ट्र संभाग प्रमुखः श्री रणजीतसिंह आलासन

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. उत्तर मुम्बई	श्री शम्भूसिंह धीरा
2. दक्षिण मुम्बई	श्री देवीसिंह झलोड़ा
3. वापी	श्री रामसिंह सोमेसरा

संभाग - दिल्ली संभाग प्रमुखः श्री रेवंतसिंह धीरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. दिल्ली शहर	श्री महेन्द्रसिंह सेखाला
2. दिल्ली एनसीआर	श्री हरेन्द्रसिंह देशवाल

संभाग-शेष दक्षिण भारत संभाग प्रमुखः श्री नीरसिंह सिंघाणा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. पूणे	श्री रघुनाथसिंह बैण्याकाबास
2. पिंपरी चिंचवड़ (PCMC)	श्री औंकारसिंह पांचोटा
3. कर्नाटक	श्री रणजीतसिंह चौक
4. विशाखापट्टनम	श्री करणसिंह मूठली

संपादकीय

शाश्वत सिद्धांतों की प्रतिष्ठा ही है सच्ची समाज सेवा

समाज ही श्री क्षत्रिय युवक संघ की साधना का केंद्र है, आधार है। संघ का संपूर्ण दर्शन, उसकी कार्यप्रणाली समाज सापेक्ष है। परमात्मा की प्राप्ति के लिए अपने पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय उत्तरदायित्वों की अवहेलना कर एकाकी या समाज निरपेक्ष साधना, जिसे निवृत्ति मार्ग की साधना भी कहा जा सकता है, वह संघ का आदर्श नहीं है। संघ का मार्ग प्रवृत्ति मार्ग है, परिवार और समाज में रहकर अपने सभी उत्तरदायित्वों का पालन करते हुए परमात्मा की ओर बढ़ने का मार्ग है। यही गीता में वर्णित स्वधर्म पालन और निष्काम कर्मयोग का मार्ग है। संघ का शिक्षण भी व्यक्तिगत अहंकार और स्वार्थ को सामाजिक स्वाभिमान और समाज के व्यापक हित में नियोजित करने का ही शिक्षण है। पूज्य श्री तनसिंह जी भी 'एक भिखारी की आत्मकथा' पुस्तक के प्रकरण 'तुम मेरे समाज हो!' में समाज के प्रति आत्मनिवेदन करते हुए लिखते हैं कि - 'मेरा संपूर्ण जीवन जिस दिशा की ओर जा रहा है, उस दिशा के तुम अंतिम दिग्गज हो।' इसलिए यह कहना उचित ही है कि समाज ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का आराध्य है और उसकी सेवा के लिए ही संघ के कदम निरंतर गतिमान है।

लेकिन सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले अन्य किसी व्यक्ति और संस्था का भी यही दावा होता है कि उनकी समस्त हलचल समाज के लिए ही है। जो उनकी समझ के अनुसार सही हो सकती है। अपने-अपने दृष्टिकोण से समाज की सेवा के दावे इतने अधिक हैं कि हर व्यक्ति समाज के हित के लिए चिंतन करता हुआ और कार्य करता हुआ सा जान पड़ता है। अनगिनत संस्थाएं समाज की सेवा के नाम पर बनती हैं, संचालित होती हैं और अनेक कालांतर में समाप्त भी हो जाती हैं। तब यहां यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब सभी संस्थाएं और व्यक्ति समाज को ही केंद्र बनाकर कार्य करते हैं तो उनमें अंतर क्या है? उनके उद्देश्य में, कार्यपद्धति में भेद क्यों है? यही नहीं, बल्कि समाज के नाम पर कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं आदि के बीच कई बार कटुता, आलोचना और विरोध का भी जन्म हो जाता है, उसका क्या कारण है? यदि इन प्रश्नों पर गहराई से चिंतन किया जाए तो हम पाएंगे कि सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों अथवा संस्थाओं में मूल अंतर उन तत्वों अथवा सिद्धांतों का होता है जिनको आधार बनाकर किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा समाज की सेवा का कार्य किया जाता है। जीवन के मूलभूत सत्य देश, काल, परिस्थिति आदि से निरपेक्ष होते हैं। ऐसे निरपेक्ष सत्यों के आधार पर जो सिद्धांत निर्मित और विकसित होते हैं, वे शाश्वत और अपरिवर्तनीय होते हैं। किसी भी व्यक्ति अथवा समाज का नैसर्गिक विकास इन शाश्वत और अपरिवर्तनीय सिद्धांतों के आधार पर ही संभव है क्योंकि मूलभूत जीवन सत्यों से प्रतिकूल होकर जीवन जीने वाले व्यक्ति अथवा समाज का पतन अवश्यंभावी है। निश्चित रूप से इन सिद्धांतों की पालना का व्यावहारिक स्वरूप देश, काल, परिस्थिति आदि से प्रभावित होता है किंतु उस बाह्य स्वरूप के भीतर स्थित मूल सिद्धांत और सत्य वही रहता है। यदि ये मूल सिद्धांत और सत्य खो जाएं तो व्यक्तिगत और सामुदायिक जीवन पतन की ओर चलायमान हो जाता है।

इसलिए समाज की सेवा का लक्ष्य लेकर चलने वाले व्यक्ति अथवा संस्था की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी यही है कि उसका कार्य जीवन के मूल सत्यों से उद्भूत शाश्वत सिद्धांतों पर आधारित है अथवा नहीं। यदि कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था सामाजिक कार्य में इन शाश्वत सत्यों और सिद्धांतों की उपेक्षा करते हैं अथवा इन्हें सामाजिक जीवन में महत्वहीन बनाने का प्रयत्न करते हैं तो वे वास्तव में समाज की गंभीर हानि करते हैं। ऐसे उदाहरण आज के समय में विभिन्न समाजों में उभरते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे श्रम और स्वावलंबन का सिद्धांत एक शाश्वत सिद्धांत है। चाहे कोई भी देश, काल और परिस्थिति हो, व्यक्ति और समाज का विकास उसके परिश्रमी और स्वावलंबी बनने में ही निहित है, उसे निष्क्रिय और परावलंबी बनाना उसके पतन को सुनिश्चित करना है। लेकिन आज जिस प्रकार अनेक वर्गों और समुदायों में बिना परिश्रम के और बिना कीमत चुकाए अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति की अपेक्षा करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है और इस प्रवृत्ति को सत्ताधारियों और नीति निमार्ताओं द्वारा भी विभिन्न अदूरदर्शी नीतियों द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, उससे वे वर्ग निष्क्रिय और परमुखापेक्षी बनते जा रहे हैं और इस प्रकार अपने विकास का मार्ग स्वयं ही बंद कर रहे हैं। इसी प्रकार ईमानदारी का सिद्धांत भी एक शाश्वत सिद्धांत है। किसी भी युग में बेईमानी को आदर्श बनाकर समाज का दिशा दर्शन नहीं किया जा सकता। आवश्यकता होने पर शठे शाठ्यम समाचरेत् की नीति अपनाते हुए किसी दुष्ट के दुष्कृत्यों को रोकने, उसे पराजित करने के लिए छल का भी सहारा लिया जा सकता है, लेकिन समाज को छल का शिक्षण नहीं दिया जा सकता, अन्यथा पूरी सामाजिक व्यवस्था ही ढह पड़ेगी। समाज के विकास और उन्नति का मार्ग तो ईमानदारी के शिक्षण से ही निकलेगा। ऐसे ही अनेक उदाहरण हम देख सकते हैं जिनमें शाश्वत सिद्धांतों की अवहेलना से समाज विघटन और विखंडन के मार्ग पर जाता हुआ दिखाई पड़ेगा।

अतएव जो वास्तव में समाज के हित का लक्ष्य लेकर कार्य करना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि वे शाश्वत सिद्धांतों और सत्यों के आधार पर समाज को जागृत, सबल और विकासमान बनाने का प्रयत्न करें न कि उन शाश्वत सिद्धांतों और सत्यों को सामाजिक जीवन में अप्रतिष्ठित करने का दुष्कृत्य करके समाज में जड़ता, निराशा और नकारात्मकता का वातावरण निर्मित करें। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ अन्य सभी समाजसेवकों के दावों और दृष्टिकोण का विरोध किए बिना भारतीय जीवनधारा के अनुभूत सत्यों के आधार पर विकसित उन शाश्वत सिद्धांतों को लेकर समाज में कार्य कर रहा है जिन्हें सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठित करके पुनः समाज को विकास के उर्ध्वगामी पथ पर अग्रसर किया जा सके। इसी सत्य को स्पष्ट करते हुए पूज्य तनसिंह जी 'एक भिखारी की आत्मकथा' पुस्तक के उसी प्रकरण, जिसका उल्लेख आलेख के प्रारंभ में किया गया है, में समाज के प्रति अपने आत्मनिवेदन में आगे लिखते हैं कि - 'तुम्हारे विकास का अर्थ है, तुम्हारे नैसर्गिक गुणों और विशेषताओं का विकास, जो इस देश और राष्ट्र की ही नहीं, मानव जाति की गहन समस्याओं का हल है।' इसलिए आएं, हम भी अपने समाज के उन्हीं नैसर्गिक गुणों व विशेषताओं को विकसित करने में सहयोगी बनकर समाज की सच्ची सेवा में जुटें और उन गुणों व विशेषताओं को नष्ट करने के जो प्रयास निहित स्वार्थों के वशीभूत होकर अथवा नासमझी के कारण अज्ञानवश किए जा रहे हैं, उन्हें विफल करें।

सीकर में समारोह पूर्वक मनाई राव राजा कल्याण सिंह की जयंती

राव राजा कल्याण सिंह बहादुर की 139वीं जयंती 20 जून को सीकर स्थित जैन भवन में समारोह पूर्वक मनाई गई। राजकुमार हरदयाल सिंह त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि राव राजा कल्याण सिंह ने सीकर का जो विकास किया, वह अद्वितीय है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका बड़ा योगदान रहा। शहर की बड़ी इमारतें, स्कूल-कॉलेज आदि उनकी ही देन हैं। उन्होंने सैकड़ों बीघा जमीन समाज के कल्याण के लिए दान में दी। राजा कल्याण सिंह का जब निधन हुआ, तब शहर के

घंटाघर पर लगी घड़ी को 12 दिन के लिए बंद कर दिया गया था। यह उनके प्रति जनता के सम्मान का प्रमाण है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सीकर के हर क्षेत्र पर कल्याण सिंह जी द्वारा जनहित में किए कार्यों की छाप आज भी मौजूद है। आजादी के बाद जब राज्य का गठन हुआ, तब सीकर को जिला बनाने में कल्याण सिंह जी ने पूरा सहयोग दिया। भारत-पाक युद्ध के समय भी उन्होंने सरकार को 37 क्विंटल चांदी भेंट की थी। ऐसे महान देशभक्त और समाजसेवी शासक से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। धोद विधायक गोरधन वर्मा, कलेक्टर मुकुल शर्मा, कांग्रेस प्रवक्ता अर्चना शर्मा, पूर्व सभापति जीवण खां, एएसपी गजेंद्र सिंह जोधा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामाजिक, शिक्षा, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया। ट्रस्ट मंत्री पवन मोदी और संयोजक चितरंजन सिंह राठौड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन राजवीर सिंह शेखावत व डॉ. बलवंत सिंह चिराणा ने किया।

कैप्टन अक्षतराज सिंह बने नागरिक सचिवालय में अधिकारी

सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के फदनपुरा गांव के निवासी कैप्टन अक्षतराज सिंह निर्वाण को भारत सरकार के नागरिक सचिवालय (राजपत्रित सेवा) में प्रथम श्रेणी अधिकारी के रूप में चयनित किया गया है। अक्षतराज सिंह भारत सरकार के नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के लाइसेंसधारी व्यावसायिक पायलट हैं। उन्होंने देश की प्रतिष्ठित एयर इंडिया एविएशन अकादमी, मुंबई से व्यावसायिक पायलट का प्रशिक्षण पूर्ण किया है। उनके पिता भागीरथ सिंह निर्वाण 1997 बैच के भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी हैं।

नाथद्वारा में ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जागरूकता शिविर का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने संबंधी जागरूकता अभियान के अंतर्गत 17 जून को नाथद्वारा (राजसमन्द) में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सभी सुविधाएं यथा - नोटेरी, राजकीय अधिकारी द्वारा प्रमाणिकरण, ईमित्र आदि एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाकर आर्थिक कमजोर वर्ग के 54 योग्य अभ्यर्थियों के आवेदन करवाए गए। इस दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के राजसमंद प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह भैसाना व फाउंडेशन के जिला सदस्य शूरवीर सिंह सोडावास सहित ईश्वर नाथ सेदरा, भगवत सिंह गुंजोल, राजेंद्र सिंह मांडक, गोपाल सिंह रामपुरिया, गोपाल सिंह उरिया, दलपत सिंह झाला, गोविंद सिंह मांडक, शंकर सिंह देपुर, रमेश शर्मा, नाथू सिंह बामनियावेर, हीर सिंह बामनियावेर, जीवन सिंह कीतावत, माधो सिंह, गोविंद सिंह चुंडावत, भूपेंद्र सिंह लसानी, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुमेर सिंह झाला, महेंद्र सिंह झाला, रविंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह झाला आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

दुष्यंत सिंह राठौड़

सुपुत्र श्री भंवर सिंह बिलोचिया (गंगानगर)

को नेपाल के लोबुचे पर्वत की चढ़ाई करने

समरजीत सिंह

सुपुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह लालावाली (छतरगढ़)

को नीट यूजी 2025 परीक्षा में ईडब्ल्यूएस वर्ग में 1319 रैंक प्राप्त करने पर

विश्ववर्धन सिंह

सुपुत्र श्री सहदेव सिंह छतरगढ़ (बीकानेर)

को रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय मुएथाई प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

वीरेंद्र सिंह सिंघाना | जयसिंह लालावाली | हरिसिंह नयागांव | रेवन्तसिंह लालावाली | शक्तिसिंह आशापुरा

सुरेंद्र सिंह लालावाली | कमलसिंह सुखदेवपुरा | हनुमान सिंह छाजूसर | भंवर सिंह देवासर | सहदेव सिंह मोहनबाड़ी

श्रद्धांजलि सभाओं में किया पूज्य भगवान सिंह जी को नमन

भावनगर

बेंगलूरु

(पेज दो से लगातार)

उनके नेतृत्व में जयपुर में हुआ हीरक जयंती का कार्यक्रम सभी के लिए मिसाल बन गया। रूपनगढ़ (अजमेर) में स्थित श्री सुमेर राजपूत छात्रावास में और लूणकरणसर (बीकानेर) में भी कार्यक्रम हुआ। भायंदर, मुंबई में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता ने उपस्थित होकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। वापी (गुजरात) में भी कार्यक्रम हुआ। लाडनूं के बगड़ा भवन में आयोजित कार्यक्रम में लाडनूं भाजपा प्रत्याशी ठाकुर करणी सिंह, कर्नल राजेन्द्र सिंह, हरि सिंह कोयल, क्षत्रपाल सिंह निम्बी जोधा, मोहन सिंह लाडनूं, गोविन्द सिंह लाडनूं, गजेन्द्र सिंह ओडींट आदि ने शब्दांजलि अर्पित की। मध्य गुजरात संभाग में मोडासा (अरवल्ली) और लुणावाडा (महीसागर) में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। 15 जून को आंध्रप्रदेश के विशाखापट्नम में भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कर्नाटक के बेंगलुरु में राजपूत समाज भवन राणासिंघपेट में भी कार्यक्रम हुआ। राजस्थान राजपूत परिषद अहमदाबाद द्वारा भी श्रद्धांजलि दी गई। राजपूत छात्रावास रामगढ़ (जैसलमेर) में भी कार्यक्रम हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख पदम सिंह रामगढ़ सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बायतु स्थित श्री सैनजी महाराज मंदिर के सार्वजनिक सभागार में सर्व समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें चन्दन सिंह चान्देसरा ने भगवान सिंह जी के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला। बायतु पंचायत समिति के प्रधान सिमरथाराम बेनिवाल भगवान सिंह जी को असाधारण व्यक्तित्व के धनी बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। 15 जून को सीमाजन कल्याण समिति राजस्थान के जैसलमेर जिले की झिंझनियाली तहसील की बैठक चेलक गांव में आयोजित हुई जिसमें भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। खुहड़ी (म्याजलार), नरसिंह भगवान मंदिर, निमड़ी चौराहा, कुंभलगढ़ में भी कार्यक्रम हुए। श्री जयमल राजपूत छात्रावास, परबतसर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, चार भुजा सेवा संस्थान परबतसर के अध्यक्ष महेशपाल सिंह बडू सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। जाखली (मकराना), दूधवा (सीकर), कांकरोली (राजसमंद), भावनगर शहर (गुजरात), राजपूत सभा भवन, जय भवानी नगर, जोधपुर, क्षत्रिय सभा भवन लालबाग में भी कार्यक्रम हुए। उत्तर गुजरात संभाग के महेसाणा प्रांत के भेसाणा गांव में, श्री जलाराम बापा मंदिर, महेसाणा में, कासा गांव में और विजापुर तालुका के लाडोल गांव में श्रद्धांजलि सभाएं रखी गईं। चारों कार्यक्रमों में उत्तर गुजरात संभाग प्रमुख वनराज सिंह भेसाणा व विक्रमसिंह कमाणा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। राजपूत भवन, बुरासी रोड, स्याना में राजपूत सेवा संघ द्वारा कार्यक्रम आयोजित हुआ। 15 जून को राजपूताना क्षत्रिय सभा मुरादाबाद की बैठक एस एस किड्स अकादमी सम्राट अशोक नगर में आयोजित की गयी जिसमें पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उत्तरप्रदेश में महाराजा मुकुट सिंह शेखावत संस्थान, मोरना द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। जयपुर संभाग के उत्तर पूर्व प्रांत में 15 जून को करीरी (जयपुर), झुंझार जी महाराज मंदिर मऊ, सीकर रोड (जयपुर) और स्याऊ (गोविंदगढ़) में स्थित श्री कृष्ण गोपाल गौशाला में कार्यक्रम हुए।

मेहसाणा

सौराष्ट्र कच्छ संभाग के हालार प्रांत में जाम कडोरणा राजपूत समाज भवन, सातुदड वावडी प्राथमिक विद्यालय, सातुदड वावडी मध्य चौक, चरेल आशापुरा माताजी मंदिर और कोटड़ा नायाणी रामदेव पीर मंदिर में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं। कल्लाजी विकास संस्थान जयसमंद के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। 16 जून को हैदराबाद में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें गोशामहल विधायक टी राजा सिंह ने उपस्थित होकर श्रद्धेय भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। सूरत में पूज्य श्री भगवानसिंह जी रोलसाहबसर की स्मृति में दक्षिणी गुजरात सम्भाग के स्वयंसेवकों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। जैसलमेर संभाग में अवाय गांव में बलवंत सिंह जी की कोटडी में श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच अजयपालसिंह अवाय, करणी माता मंदिर के संत योगी रामनाथजी, पूर्व सरपंच भूपतसिंह, भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष ओम सिंह, सुबेदार मेजर हिमतसिंह सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित रहे। रामगढ़ प्रांत के सुल्ताना व भोजराजपुरम में भी कार्यक्रम हुए। बनीपार्क (जयपुर) में भी श्रद्धांजलि सभा रखी गई। सार्वजनिक सभा भवन, पायला कला (बालोतरा), देवनढ (राजसमंद), उमाबारी, थराद (गुजरात), श्री महादेव मठ, चांदेसरा (बालोतरा), सालवा खुर्द (जोधपुर), श्री राजपूत सभा भवन, हरनावां पट्टी, झिनझिनयाली (जैसलमेर) और सभा भवन, हाउसिंग बोर्ड, राजसमंद में भी कार्यक्रम हुए। वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास समदड़ी में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूर्व मंत्री गोपाराम मेघवाल, वरिष्ठ स्वयंसेवक अमर सिंह अकली सहित अनेकों क्षेत्रवासियों ने शामिल होकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। श्री जवाहर राजपूत छात्रावास पाटोदी और राजपूत छात्रावास धानेरा, पालनपुर (गुजरात)में भी कार्यक्रम हुआ।

18 जून को चित्तौड़गढ़ स्थित श्री महाराणा भूपाल राजपूत छात्रावास में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना एवं राजपूत समाज के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। 19 जून

दामोलाई

को जैसलमेर संभाग में टावरीवाला में स्थित पंचायत भवन में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी, जिला परिषद सदस्य उत्तम सिंह बोडाना, टावरीवाला सरपंच सांगसिंह सहित क्षेत्रवासियों ने उपस्थित रहकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 20 जून को राजपूत धर्मशाला नाचना में

दुबई

मंदसौर

कार्यक्रम हुआ। हिमाचल-लद्दाख की सीमा पर स्थित शिंकुला टॉप नामक बर्फीली चोटी (16703 फीट की ऊँचाई) पर भी स्वयंसेवकों द्वारा संरक्षक श्री को श्रद्धांजलि दी गई। पूज्य भगवान सिंह जी की स्मृति में विश्व योग दिवस (21 जून) पर मध्य गुजरात संभाग में अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत में आदर्श प्राथमिक विद्यालय काणेटी गांव में तीसरी से 8वीं कक्षा तक के छात्रों को बाल गीता भाग 1 का वितरण किया गया। खोड़ा पे सेन्टर, गांव खोड़ा, तहसील साणंद के स्कूल में भी 3 से 6 कक्षा तक के सभी बच्चों को बाल गीता भाग 1 वितरित की गई। 7 व 8 कक्षा के छात्रों को बाल गीता भाग 2 का वितरण किया गया। इस दौरान अनिरूद्ध सिंह काणेटी (प्रांत प्रमुख, अहमदाबाद ग्राम्य) सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 22 जून को दुबई में अल लिसिली के मार्मूम में स्थित क्रिकेट ग्राउंड में पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दुबई राजपूत सभा के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में ट्रांसपोर्ट विभाग के ट्रेनिंग डायरेक्टर ओमार युसूफ ने साहब श्री से उनकी दुबई यात्रा के दौरान हुई भेंट को स्मरण करते हुए उन्हें महान व्यक्तित्व का स्वामी बताया। मध्यप्रदेश में पद्मावती राजपूत कन्या हॉस्टल मंदसौर में 25 जून को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें संघ के मालवा प्रांत प्रमुख गुमानसिंह वालाई ने भगवानसिंह जी के जीवन वृत पर प्रकाश डाला। रघुनाथसिंह काचरिया, महेंद्रसिंह फतेहगढ़ (क्षत्रिय चिंतन पत्रिका के संपादक) नारायण सिंह चिकलाना, दयालसिंह सेदरा, तेजपालसिंह धाकड़ी, सज्जन सिंह नारायणगढ़ आदि ने पूज्य श्री को श्रद्धांजलि दी।

डेलासर

बगड़ी नगर (पाली) और जयसमंद में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पाली जिले में सोजत के पास स्थित देवनारायण भगवान मंदिर बगड़ी नगर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 जून तक आयोजित हुआ। अर्जुनसिंह देलदरी ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आपको जो अभ्यास कराया जा रहा है उसका आपके जीवन पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सामूहिक रूप से किए जाने वाले इस अभ्यास से हमारे भीतर सामाजिक भाव विकसित होता है और हम समाज में रहते हुए एक दूसरे का सहयोग करना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास कर आपके व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण प्रभावी बने इसके लिए आपकी तत्परता और सावधानी आवश्यक है। इसलिए यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम के पश्चात पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को श्रद्धांजलि देने हेतु सभा का आयोजन भी किया गया जिसमें पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी नाहर सिंह सिसरवादा, संभाग प्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा, हीर सिंह लोडता सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। अर्जुन सिंह देवली हुल्ला ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। सलूंबर जिले के जयसमंद में स्थित कल्लाजी विकास संस्थान परिसर में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 से 24 जून तक हुआ जिसमें चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सलूंबर, पाली आदि जिलों के 80 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन करते हुए हनुवंत सिंह सज्जनसिंह का गड़ा ने कहा कि वर्तमान समय में वही समाज आगे बढ़ सकता है जो संगठित हो, अनुशासित हो और सकारात्मक भाव वाला हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर इन्हीं सब गुणों को लाने का प्रयास कर रहा है। शाखा और शिविर के माध्यम से समाज में सच्चे और स्थायी संगठन का निर्माण संघ कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने अहंकार और स्वार्थ को विसर्जित नहीं करेंगे तब तक हम सामाजिक संगठन की मजबूत कड़ी नहीं बन पाएंगे। इसलिए संघ हमारे अहंकार और स्वार्थ को समाप्त करने के लिए त्याग और तपस्या का अभ्यास करा रहा है।

खमनोर में मनाया हल्दी घाटी विजय दिवस

खमनोर के निकट रक्त तलाई में अपनी तीन पीढ़ियों के साथ हल्दीघाटी के युद्ध में बलिदान होने वाले रामशाह तंवर की छतरी पर 18 जून को श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में हल्दी घाटी विजय दिवस मनाया गया। संघ के संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ के वीरों ने आजादी के लिए जो संघर्ष किया वह सारे संसार के इतिहास में अमर है। उनसे प्रेरणा प्राप्त कर हमें भी अपने स्वधर्म का पालन करना चाहिए। प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह भैंसाणा व मंडल प्रमुख शूरवीर सिंह सोडावास ने भी हल्दीघाटी युद्ध के नायकों को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में भूपेन्द्र सिंह लसानी, गोविंद सिंह चुंडावत खेड़ी, दलपत सिंह झालो की मदार, दलपत सिंह रोडला, गोपाल सिंह उरिया, पत्रकार कमल मानव सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

करीरी (जयपुर) में मातृशक्ति स्नेहमिलन आयोजित

जयपुर जिले के करीरी गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का मातृशक्ति स्नेहमिलन 22 जून को आयोजित हुआ जिसमें गांव की मातृशक्ति ने शामिल होकर गांव में लगने वाली साप्ताहिक बालिका शाखा के संबंध में चर्चा की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रवीण सिंह विजयपुरा व मनोहर सिंह जालिमसिंह का बास सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर और महाराष्ट्र की संभागीय बैठकें

श्री क्षत्रिय युवक संघ के बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर और महाराष्ट्र संभाग की कार्ययोजना बैठकें 21 व 22 जून को आयोजित हुई जिनमें इन संभागों की वार्षिक कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की गई। बाड़मेर की संभागीय कार्ययोजना बैठक 21 जून को बाड़मेर में गेहूं रोड पर स्थित आलोक आश्रम में आयोजित हुई। बैठक में आगामी सत्र हेतु प्रांतों व मंडलों का पुनर्गठन कर तदनुरूप स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। सभी 6 प्रांतों की प्रांतीय बैठकें भी शीघ्र ही आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। संभाग में इस सत्र में 10 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर, दो मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर व एक माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के आयोजन के प्रस्ताव रखे गए। संभाग में गत वर्ष हुए संघकार्य की समीक्षा भी की गई। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने निरंतर सक्रिय रहने के लिए आपसी संपर्क को बनाए रखने की बात कही। वरिष्ठ स्वयंसेवक नरपत सिंह चिराना, कृष्ण सिंह रानीगांव, देवी सिंह माडपुरा, वीर सिंह शिवकर सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। जोधपुर संभाग की कार्ययोजना बैठक भी इसी दिन जोधपुर शहर में स्थित संभागीय कार्यालय तनायन में आयोजित हुई। बैठक में नई शाखाएं प्रारंभ करने, नए क्षेत्रों में शिविर लगाने, संघ साहित्य को समाजबंधुओ तक पहुंचाने, संघशक्ति-पथप्रेरक की सदस्यता बढ़ाने, कार्यालय के रखरखाव सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और कार्ययोजना तैयार करके तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। बीकानेर संभाग की बैठक संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में 22 जून को आयोजित हुई जिसमें उच्च प्रशिक्षण शिविर उदयपुर में प्राप्त दिशा निर्देशानुसार प्रांत, मंडल और शाखाओं के कार्यक्षेत्र निर्धारित करके उत्तरदायित्व निश्चित किए गए। नए सत्र में संभावित शाखाओं तथा प्रस्तावित शिविरों पर भी चर्चा की गई। महापुरुषों की जयंतियों के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा की गई। संपर्क यात्राओं, स्नेहमिलन कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा भी बनाई गई। संभाग प्रमुख रेवन्त सिंह जाखासर सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। 22 जून को ही महाराष्ट्र संभाग की बैठक भायंदर में आयोजित हुई। बैठक में आगामी सत्र में संभाग में प्रस्तावित संघकार्य पर चर्चा की गई और कार्ययोजना तैयार कर स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन और वरिष्ठ स्वयंसेवक नीर सिंह सिंघाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

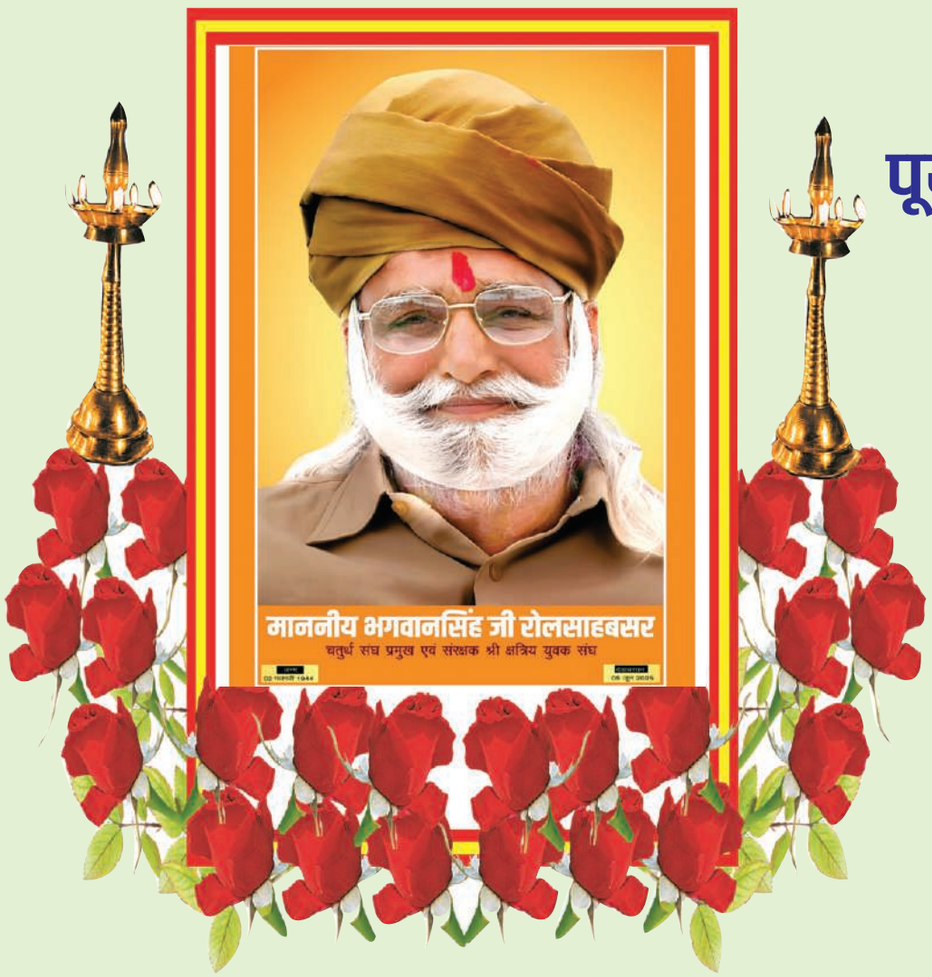

श्री क्षत्रिय युवक संघ के चतुर्थ संघप्रमुख और संरक्षक

पूज्य श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर

के देहावसान पर सादर नमन व श्रद्धांजलि। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि हम सभी को इस वज्रपात को सहने की सामर्थ्य प्रदान करे।

ॐ

: श्रद्धावनत :

मूल सिंह काठाड़ी, मूल सिंह चांदेसरा, गोविंद सिंह गुगड़ी, मनोहर सिंह सिणेर (प्रथम), वाग सिंह लोहिड़ी (वीरमदेवनगर), चंदन सिंह थोब, दौलत सिंह मुंगेरिया, सोम सिंह लोहिड़ी (वीरमदेवनगर), भीम सिंह सिमरखिया, बलवंत सिंह कोटड़ी, हनवंत सिंह मवड़ी, हरी सिंह थोब, हीर सिंह कालेवा, पदम सिंह भाउड़ा, जोग सिंह नोसर, वीरम सिंह थोब, सज्जन सिंह कलावतसर, सुमेर सिंह कालेवा, करण सिंह दुधवा, उम्मेद सिंह सिणेर, ईश्वर सिंह सिणेर, रिड़मल सिंह बेरसियाला, ईश्वर सिंह पादरू, विवेक सिंह सिणेर, जेतमाल सिंह बिशाला, थान सिंह खबडाला, कृष्णपाल सिंह कल्याणपुर, भूपेंद्र सिंह कालेवा, राण सिंह टापरा, धीरेंद्र सिंह इंद्राणा, कुंदन सिंह तिलवाड़ा, मनोहर सिंह मिठौड़ा, नाथू सिंह काठाड़ी, महेंद्र सिंह रेवाड़ा जेतमाल, चंदन सिंह दईपड़ा खींचीयान, हिन्दू सिंह सिणेर, करण सिंह मूठली, पूर्ण सिंह सिणेर, डूंगर सिंह चांदेसरा, नारायण सिंह मूठली, दलपत सिंह इंद्राणा, नग सिंह हनवंतनगर, छतर सिंह कुंडल, महेंद्र सिंह पादरड़ी कला, पाबू सिंह करना, पदम सिंह कंवरली, विक्रम सिंह वरिया, चन्दन सिंह चांदेसरा, महेंद्र सिंह सिणेर, सोहन सिंह कालेवा, विशन सिंह चांदेसरा, लक्ष्मण सिंह गुड़ानाल, मूल सिंह जानकी, सुरेंद्र सिंह गुगड़ी (जवाहरसिंहपूरा), हुकम सिंह थोब, दिलीप सिंह हवेली, हर्षवर्धन सिंह काठाड़ी

एवं समस्त स्वयंसेवक (बालोतरा संभाग)

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org